RAJA MAHENDRA PRATAP SINGH STATE UNIVERSITY ALIGARH

SYLLABUS

Semester Wise Titles of the Paper in U.G. (Honour's), U.G. (Honour's with Research) & P.G. in Subject Hindi

Syllabus for Four to Fifth year of Higher Education
(U.G. & P.G.)

NATIONAL EDUCATION POLICY 2020
BASED ON CBCS PATTERN
(SEMESTER SYSTEM)
(2025-2026)

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय,

अलीगढ़, उत्तर प्रदेश

एम0ए0 (हिन्दी) हेतु नई शिक्षा नीति 2020 के आधार

पर तैयार पाठ्यक्रम

सत्र– 2025–26

Semester Wise Titles of the Paper in U.G. (Honour's), U.G. (Honour's with Research) & P.G. in Hindi

Year	Sem	Course Code	Paper Title Practical	Theory/	Credit	Total
4th	VII	RA010701T	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	Theory	4	20/16
		RA010702T	आदिकालीन एवं रीतिकालीन काव्य	Theory	4	
		RA010703T	भक्तिकालीन काव्य	Theory	4	
			Choose both for U.G. (honour's) and one for U.G. (Honour's with Research)			
		RA010704T	जनसंचार एवं हिन्दी पत्रकारिता	Theory	4	
		RA010705T	अस्मितामूलक विमर्श	Theory	4	
	VIII	RA010801T	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Theory	4	20/24
		RA010802T	आधुनिक हिन्दी–काव्य (छायावाद तक)	Theory	4	
		RA010703T	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा का विकास	Theory	4	
			Choose both for U.G. (Honour's) and one for U.G. (Honour's with Research)			
		RA010804T	हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	Theory	4	
		RA010805T	अनुवाद : सिद्धान्त और व्यवहार	Theory	4	
		RA010806R	**Research Project (Submission and Evaluation for the Student of U.G. (Honour's with Research only)**		8	
5th	IX	RA010901T	आधुनिक हिन्दी–काव्य (छायावादोत्तर काव्य)	Theory	4	16
		RA010902T	हिन्दी कथा–साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	Theory	4	
		RA010903T	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	Theory	4	
			Choose any one			

		RA010904T	विशिष्ट कवि कबीरदास	Theory	4	
		RA010905T	विशिष्ट कवि सूरदास	Theory	4	
	X	RA011001T	नाटक एवं गद्य की अन्य विधाएँ	Theory	4	
		RA011002T	हिन्दी – आलोचना	Theory	4	
		RA011003T	भारतीय साहित्य	Theory	4	
			Choose any one			24
		RA011004T	विशिष्ट लेखक प्रेमचन्द	Theory	4	
		RA011005T	विशिष्ट लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	Theory	4	
		RA011006R	Research Project (Submission and Evaluation)		8	

नोट– विद्यार्थियों को रिसर्च प्रोजेक्ट सप्तम, सेमेस्टर में दिया जाएगा, जिसका मूल्यांकन अष्टम सेमेस्टर में किया जाएगा, जो मूल्यांकन 4+4 =8 क्रेडिट का होगा।

प्रो० निर्मला कुमारी

संयोजक हिन्दी अध्ययन परिषद

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
बी0ए0 (हिन्दी) ऑनर्स/रिसर्च
सप्तम सेमेस्टर – प्रथम प्रश्नपत्र
पाठ्यक्रम का नामः हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

पाठ्यक्रम कोड RA010701T अधिकतम अंक :100 (75+25)

इकाई	**पाठ्यक्रम**
1.	हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ एवं रचनाकार, इतिहास दर्शन और इतिहास लेखन की आवश्यकता । हिन्दी–साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ, हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण ।
2.	आदिकाल की सामान्य विशेषताएँ एवं युगीन प्रवृत्तियाँ, रासो काव्य परंपरा, जैन, सिद्ध एवं नाथ साहित्य का परिचय ।
3.	भक्ति– आन्दोलन के उदय के कारण एवं युगीन प्रवृत्तियाँ, निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ, भक्तियुगीन काव्यधाराएँ, वैष्णव भक्ति का उदय एवं आलवार संत ।
4.	रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियॉं, रीतिसिद्ध, रीतिवद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराऍं, रीति कवियों का आचार्यत्व, रीतिकवियों का सौन्दर्य बोध ।

<u>**प्रस्तावित पुस्तकें–**</u>

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 1988
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्लीः 2017
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन दिल्लीः 2008
4. हिन्दी साहित्य का अतीत(दो खण्ड) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन,दिल्ली, 2012 ।
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली 2018
6. हिन्दी रीति साहित्य : भागीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1999
7. परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्लीः 2004
8. लोक जागरण और हिन्दी साहित्य : रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1990
9. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ल, 2007 ।
10. वैष्णव भक्ति का उद्भव और विकास : सुवीरा जायसवाल, ग्रंथशिल्पी, दिल्ली 1996
11. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1953
12. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,
13. इतिहास और आलोचना : नामवर सिह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
14. रीतिकाल सेक्सुअलिटी का समारोह : सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाश दिल्ली

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
बी0ए0 (हिन्दी) ऑनर्स / रिसर्च
सप्तम सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्नपत्र
पाठ्यक्रम का नामः आदिकालीन एवं रीतिकालीन काव्य

पाठ्यक्रम कोड RA010702T अधिकतम अंक :100 (75+25)

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भारतीय धर्म साधना में नाथों व सिद्धों का योगदानतथा उनका साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, रीतिकवियों का आचार्यत्व, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियॉ, रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य, रीतिकाव्य में लोक जीवन, रीतिकाव्य की अंतर्वस्तु एवं युगबोध, केशव की संवाद योजना एवं काव्य दृष्टि, बिहारी की काव्य–कला एवं सौंदर्य भावना, घनानंद की प्रेम व्यंजना एवं छंद योजना।
2.	पृथ्वीराज रासो का कयमास वधः संपादक माता प्रसाद गुप्त विद्यापति की पदावली : संपादक नरेन्द्र झा (आंरभिक दस पद)
3.	रामचंद्रिका : संपादक विजयपाल सिंह (आरंभिक दस पद) भूषण ग्रन्थावली : संपादक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (आरंभिक दस पद)
4.	बिहारी सतसई : संपादक जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (आरंभिक तीस दोहे) घनानंद कवित्त : संपादक विश्वनाथ मिश्र (आंरभिक बीस पद)

प्रस्तावित पुस्तकें –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहासः रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य का आदिकालः हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (दो खंड), विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. पृथ्वीराज रासो : संपा. कविराज मोहन सिंह, राजस्थानी ग्रंथागार, उदयपुर।?
6. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासोः संपा. हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह
7. विद्यापति पदावली : संपा. रामवृक्ष बैनीपुरी, साहित्य सरोवर, पटना।
8. ढ़ोला मारू रा दूहाः संपा. नरोत्तम स्वामी, सूर्यकरण पारीक एवं रामसिंह, राजस्थानी ग्रंथागार, उदयपुर।
9. अमीर खुसरो का हिन्दवी काव्यः गोपीचंद नारंग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली हिंदी रीति साहित्य : भागीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. केशवदास : संपा. विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
12. घनानंद का श्रृंगार का काव्यः रामदेव शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
बी0ए0 (हिन्दी) ऑनर्स/रिसर्च
सप्तम सेमेस्टर – तृतीय प्रश्नपत्र
पाठ्यक्रम का नामः भक्तिकालीन काव्य

पाठ्यक्रम कोड RA010703T अधिकतम अंक :100 (75+25)

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भक्ति आंदोलन के विभिन्न मत, सम्प्रदाय एवं दार्शनिक पृष्ठभूमि, निर्गुण एवं सगुण कवियों की विचारधारा, कबीर के काव्य में सामाजिक प्रतिरोध, जायसी के काव्य में प्रेम भावना, मीरा के काव्य में लोकतत्व एवं गीति तत्व, सूरकाव्य में वाग्विदग्धता एवं लोकतत्त्व, सूर का श्रृंगार एवं वात्सल्य वर्णन, तुलसी की काव्य कला, लोक मंगल की अवधारणा
2.	कबीर (संपादक– हजारी प्रसाद द्विवेदी) पद संख्या– 161 से 180 तक जायसी (सं0 रामचंद्र शुक्ल) पदमावत का नागमती वियोग खंड
3.	मीरा का काव्य (सं. विश्वनाथ त्रिपाठी) आरंभिक दस पद सूरदास (सं. रामचंद शुक्ल) भ्रमरगीत सार (पद संख्या–21 से 50 तक)
4.	तुलसीदास रामचरितमानस का उत्तरकांड (प्रारम्भ से 15 दोहे चौपाई) विनय पत्रिका (गीता प्रेस, गोरखपुर) के 05 पद (पद संख्या–61, 149, 166, 171 और 244)

<u>प्रस्तावित पुस्तकें :–</u>

1. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
2. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ
3. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी
4. तुलसी काव्य – मीमांसा : उदयभानु सिंह
5. गोसाई तुलसीदासः विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
7. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. महाकवि सूरदास : नंद दुलारे वाजपेयी
9. सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा
10. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा
11. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
12. कबीर की विचारधारा : गोविंद त्रिगुणायत
13. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
14. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
15. जायसी : विजयदेव नारायण साही
16. मीरा का जीवन–अरविंद सिंह तेजावत, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
17. मीरा की भक्ति एवं राजनीति–अरविंद सिंह तेजावत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
बी0ए0 (हिन्दी) ऑनर्स/रिसर्च
सप्तम सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्नपत्र
पाठ्यक्रम का नामः जनसंचार एवं हिन्दी पत्रकारिता

पाठ्यक्रम कोड RA010704T अधिकतम अंक :100 (75+25)

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	जनसंचार का अर्थ एवं अवधारणा, जनसंचार माध्यमों की संरचना, संचार माध्यमों का स्वरूप एवं भाषा (दृश्य–श्रव्य माध्यम) संचार माध्यमों का सामाजिक प्रभाव, सोशल मीडिया और उसकी आवश्यकता
2.	समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, संवाद लेखन, पटकथा लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण
3.	पत्रकारिता : स्वरूप एंव विविध प्रकार हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्त्व
4.	साक्षात्कार, पत्रकार– वार्ता, प्रेस– प्रबन्धन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता

<u>प्रस्तावित पुस्तकें</u>

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास– अर्जुन तिवारी
2. अखबारनामा : साम्राज्यवादी पत्रकारिता – आलोक श्रीवास्तव
3. बोलना ही है : रवीश कुमार
4. संचार माध्यम लेखन – गौरी शंकर रैना
5. पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न – कृष्ण बिहारी मिश्र
6. मीडिया, जनतंत्र और आतंकवाद – सुधीश पचौरी
7. मीडिया की बदलती भाषा– डॉ. अजय कुमार सिंह

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
बी0ए0 (हिन्दी) आनर्स/रिसर्च
सप्तम सेमेस्टर – पंचम प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः (क) अस्मिता मूलक विमर्श

पाठ्यक्रम कोड RA010705T **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	अस्मिता की अवधारणाएँ एवं सिद्धांत, अस्मिता और सत्ता, धर्म और अस्मिता, अस्मिता और राष्ट्र, भूमंडलीकरण और अस्मिता का संकट
2.	स्त्री– अस्मिता की अवधारणा, स्त्री–साहित्य, नारीवादी आंदोलन, स्त्रीवादी चिंतन, प्रमुख लेखिका– मन्नू भंडारी, मैत्रेयी पुष्पा, प्रभा खेतान, रमणिका गुप्ता
3.	दलित विमर्श एवं दलित साहित्य, दलित आंदोलन एवं उसकी पृष्ठभूमि, दलित साहित्य पर अंबेडकर का प्रभाव, प्रमुख दलित लेखक–ओमप्रकाश वाल्मीकि, डा. तुलसीराम, डॉ. जयप्रकाश कर्दम, मोहनदास नैमिषारण्य आदिवासी विमर्श की अवधारणा, अस्मिता का प्रश्न, आदिवासियों का शोषण, विस्थापन और विलोपन, प्रमुख आदिवासी लेखक– वंदना टेटे, डा. हरिराम मीणा, डॉ. गंगा सहाय मीणा, राम दयाल मुंडा
4.	चयनित पाठ्य – अन्या से अनन्या – प्रभा खेतान ठाकुर का कुआँ, वे नहीं जानते– ओम प्रकाश वाल्मीकि मुर्दहिया– डॉ. तुलसीराम ग्लोबल गाँव का देवता– डॉ. रणेन्द्र

<u>प्रस्तावित पुस्तकें–</u>

1– स्त्री उपक्षिता– सिमोन द बुआ, अनुवाद–(प्रभाखेतान)
2– हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास– डॉ. सुमन राजे
3– हिन्दी उपन्यास का स्त्री– पाठ– रोहिणी अग्रवाल
4– दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र– ओम प्रकाश वाल्मीकि
5– आदिवासी और हिन्दी उपन्यास– गंगा सहाय मीणा
6– आदिवासी दर्शन और साहित्य– वंदना टेटे

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
बी0ए0 (हिन्दी) ऑनर्स/रिसर्च
अष्टम सेमेस्टर – प्रथम प्रश्नपत्र
पाठ्यक्रम का नामः हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्यक्रम कोड RA010801T अधिकतम अंक :100 (75+25)

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भारतेन्दु और उनका युग, भारतेन्दु युगीन काव्य प्रवृत्तियॉ, आधुनिकता का उदय व अवधारणा, द्विवेदी युगीन काव्य प्रवृत्तियॉ, राष्ट्रीय काव्य धारा, स्वच्छन्दतावाद, छायावाद काव्य की प्रमुख विशेषताएं
2.	प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और प्रमुख कवि, प्रयोगवाद, नई कविता तथा समकालीन कविता
3.	हिन्दी गद्य का उद्‌भव और विकास, हिन्दी उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द के परवर्ती उपन्यासकार, हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास, प्रमुख कहानी आंदोलन एवं प्रमुख कहानीकार
4.	हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण, भारतेन्दु युगीन नाटक, प्रसाद युगीन नाटक, प्रसादोत्तर युगीन नाटक, समकालीन नाटक, हिन्दी एकांकी, हिन्दी का लोक रंगमंच, नुक्कड़ नाटक, हिन्दी निबन्ध का उद्‌भव और विकास, निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार, हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास, समकालीन हिन्दी आलोचना और उसके विविध प्रकार, प्रमुख आलोचक

प्रस्तावित पुस्तकें –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ : नामवर सिंह
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैंनेजर पाण्डेय
8. हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
9. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
10. आलोचना के विविध आयाम : डा0 राजेश कुमार

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
बी0ए0 (हिन्दी) ऑनर्स/रिसर्च
अष्टम सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्नपत्र
पाठ्यक्रम का नामः आधुनिक हिन्दी काल (छायावाद तक)

पाठ्यक्रम कोड RA010802T अधिकतम अंक :100 (75+25)

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	मैथिलीशरण गुप्त – साकेत (नवम सर्ग)
2.	जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा, लज्जा और इड़ा सर्ग)
3.	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'–जागो फिर एक बार, कुकुरमुत्ता, राम की शक्तिपूजा
4.	सुमित्रानंदन पंत– परिवर्तन, नौका विहार, महोदवी वर्मा – मैं नीर भरी दुःख की बदली, जाग तुझको दूर जाना

नोट : आलोचनात्मक प्रश्न उपर्युक्त इकाइयों में लगे कवियों पर आधारित होंगें।

<u>प्रस्तावित पुस्तकें –</u>

1. आधुनिक हिन्दी कविता – डॉ. दुर्गा प्रसाद ओझा
2. निराला की साहित्य – साधना– डा. राम विलास शर्मा
3. प्रसाद की कविता – भोलानाथ तिवारी
4. सुमित्रानंदन पंत – डॉ. नगेन्द्र
5. पन्त की काव्य–साधना– रमेश शर्मा
6. समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
7. छायावाद – नामवर सिंह
8. छायावाद युग – शम्भूनाथ सिंह

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
बी0ए0 (हिन्दी) ऑनर्स/रिसर्च
अष्टम सेमेस्टर – तृतीय प्रश्नपत्र
पाठ्यक्रम का नामः भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा का विकास

पाठ्यक्रम कोड RA010803T अधिकतम अंक :100 (75+25)

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भाषा और भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान की अध्ययन पद्धतियाँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक, भाषा विज्ञान : स्वरूप, व्याप्ति स्वरूप साहित्य के अध्ययन में भाषा– विज्ञान की उपयोगिता अर्थ विज्ञान– अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ परिवर्तन
2.	हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – मध्यकालीन आर्य भाषाऍ पालि, प्राकृत– अपभ्रंश और उनकी विशेषताऍ अपभ्रंश, अवहट्ठ और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाऍ और उनका वर्गीकरण
3.	हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताऍ, हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी
4.	हिन्दी भाषा–प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा, संचार माध्यम और हिन्दी, कम्प्यूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, देवनागरी लिपिः विशेषताएं और मानकीकरण।

<u>प्रस्तावित पुस्तकें –</u>

1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा
4. भाषा और समाज– रामविलास शर्मा
5. हिन्दी भाषा का इतिहास– भोलानाथ तिवारी
6. हिन्दी भाषा और लिपि – डा0 धीरेन्द्र वर्मा
7. हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
बी0ए0 ऑनर्स/रिसर्च
अष्टम सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः (क) हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

पाठ्यक्रम कोड RA010804T **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	मध्ययुगीन और आधुनिकता का द्वन्द्व, 1857 की क्रान्ति एवं स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि, भारतीय नवजागरण तथा हिन्दी नवजागरण, हिन्दी नवजागरण के स्रोत और उसका प्रभाव
2.	खड़ी बोली आन्दोलन, फोर्ट विलियम कॉलेज महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, राष्ट्रीय चेतना का उदय, सामंतवाद एवं साम्राज्यवाद विरोधी साहित्य।
3.	गाँधीवादी दर्शन और साहित्य पर उसका प्रभाव, अम्बेडकर दर्शन एवं साहित्य पर उसका प्रभाव, लोहिया दर्शन और साहित्य पर उसका प्रभाव मार्क्सवाद : हिन्दी साहित्य पर मार्क्सवाद का प्रभाव, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद
4.	आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता, नयी समीक्षा और उसकी मान्यताएँ।

<u>प्रस्तावित पुस्तकें–</u>

1– साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका– मैंनेजर पाण्डेय

2– महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण– डा0 राम विलास शर्मा

3– मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य– डा0 राम विलास शर्मा

4– आधुनिकता और सर्जनशीलता– डा0 रघुवंश

5– उत्तर आधुनिकता की ओर– डा0 कृष्णदत्त पालीवाल

6– नयी समीक्षा के प्रतिमान– निर्मला जैन

7– नसी समीक्षाः नये संदर्भ– डा0 नगेन्द्र

8– हिन्दी आलोचना का सैद्धान्तिक आधार– डा0 कृष्णदत्त पालीवाल

9– हिन्दी नवजागरण– डा0 गजेन्द्र पाठक

10–रस्साकशी– डा0 वीर भारत तलवार

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
बी0ए0 (हिन्दी) ऑनर्स/रिसर्च
अष्टम सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः (ख) अनुवादः सिद्धान्त एवं व्यवहार

पाठ्यक्रम कोड RA010805T **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, हिन्दी प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका कार्यालयी हिन्दी एवं अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, साहित्य का अनुवाद, पत्रों का अनुवाद ।
2.	वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली ।
3.	भाषा के विकास में अनुवाद की भूमिका, भाषा के तकनीकी आयाम और अनुवाद की चुनौतियॉं, शिक्षा एवं दूरस्थ शिक्षा में अनुवाद की भूमिका।
4.	दुभाषिया प्रविधि, अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन ।

<u>प्रस्तावित पुस्तकें –</u>

1. अनुवाद : परम्परा और प्रयोजन– गोपाल शर्मा
2. हिन्दी अनुवाद –परंपरा और अनुशीलन– किशोरीलाल कलवार
3. अनुवाद की प्रक्रिया –तकनीक और समस्याएँ– श्री नारायण समीर ।

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
एम0ए0 (हिन्दी)
नवम सेमेस्टर – प्रथम प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावादोत्तर काव्य)

पाठ्यक्रम कोड RA01090IT **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रयोगवादः शिल्प और कथ्य का स्वरूप, नई कविता का वैशिष्ट्य, लघुमानव की अवधारणा, प्रयोगवाद और नई कविता में अन्तर, समकालीन कविता और कविता के बदलते प्रतिमान ।
2.	क– रामधारी सिंह दिनकर– रश्मिरथी (प्रथम तीन सर्ग) । ख– नागार्जुन–अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, शासन की बन्दूक, भुस का पुतला ।
3.	क– अज्ञेय– नदी के द्वीप (कविता) असाध्य वीणा, बावरा अहेरी ख– मुक्तिबोध– चॉद का मुँह टेढ़ा है, मैं तुम लोगों से दूर हूँ, मुझे कदम–कदम पर । धर्मवीर भारती– अंधायुग नरेश मेहता– संशय की एक रात (सर्ग एक– साझ का विस्तार और बालू तट) ।
4.	धूमिल– मोचीराम, रोटी और संसद, लोकतन्त्र । दुष्यंत कुमार–हो गयी है पीर पर्वत सी, बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं, कहाँ तो तय था चरागाँ हर एक घर के लिये ।

प्रस्तावित पुस्तकें –

1. नवी कविता और अस्तित्ववाद– डॉ0 रामविलास शर्मा
2. कविता के नये प्रतिमान– नामवर सिंह
3. आधुनिक हिन्दी कविता –विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. समकालीन कविता का यथार्थ–परमानन्द श्रीवास्तव ।
5. नयी कविता की भूमिका– डॉ0 प्रेमशंकर
6. आधुनिक हिन्दी काव्य : रूप और संरचना–निर्मला जैन
7. मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना– नन्दकिशोर नवल
8. नागार्जुन और उनकी कविता– नन्दकिशोर नवल
9. शब्द पुरूष अज्ञेय–नरेश महेता
10. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा– नंदकिशोर आचार्य
11. नयी कविता का वैचारिक आधार – सुधीर पचौरी
12. नागार्जुन का रचना– संसार– डॉ0 विजय बहादुर सिंह
13. प्रगतिशील कविता के सौन्दर्य मूल्य – अजय तिवारी
14. मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य– डॉ0 रामविलास शर्मा
15. प्रगतिवाद– शिवदान सिंह चौहान

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
एम0ए0 (हिन्दी)
नवम सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः हिन्दी कथा– साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

पाठ्यक्रम कोड RA010902T **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप और उसके भेद, उपन्यास का उद्भव और विकास, उपन्यास के तत्त्व कहानी : परिभाषा, स्वरूप और उसके प्रकार, कहानी का उद्भव और विकास, कहानी के तत्त्व, उपनस तथा कहानी में अन्तर ।
2.	उपन्यास : प्रेमचन्द का गोदान
3.	उपन्यास : भीष्म साहनी का तमस
4.	चयनित कहानियॉं– 1. उसने कहा था– चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' 2. कफन– प्रेमचन्द्र 3. आकाशदीप– जयशंकर 'प्रसाद' 4. अपना– अपना भाग्य– जैनेन्द्र कुमार 5. लाल पान की बेगम– फणीश्वर नाथ 'रेणु' 6. राजा निरबंसिया– कमलेश्वर 7. भोलाराम का जीव–हरिशंकर परसाई 8. सिक्का बदल गया– कृष्णा सोबती 9. वापसी– उषा प्रियम्वदा 10. यही सच है– मन्नू भंडारी

<u>प्रस्तावित पुस्तकें –</u>

1. प्रेमचंद और उनका युग – डॉ0 राम विलास शर्मा
2. आज का हिन्दी उपन्यास– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान
3. क्रांति का विचार और हिन्दी उपन्यास– प्रेम सिह
4. कहानीः नयी कहानी– डॉ0 नामवर सिंह
5. नयी कहानीः सन्दर्भ और प्रकृति –डॉ0 देवीशकर अवस्थी
6. नयी कहानी की भूमिकाः कमलेश्वर ।

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
एम0ए0 (हिन्दी)
नवम् सेमेस्टर – तृतीय प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम कोड RA010903T **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	काव्य का स्वरूप, काव्य– लक्षण, काव्य के तत्त्व, काव्य– हेतु, काव्य– प्रयोजन, काव्य की आत्मा, काव्य गुण, काव्य दोष
2.	रस–सम्प्रदाय, अलंकार–सम्प्रदाय, रीति–सम्प्रदाय, वक्रोक्ति–सम्प्रदाय, ध्वनि–सम्प्रदाय, औचित्य–सम्प्रदाय
3.	प्लेटो– काव्य सिद्धान्त अरस्तू – अनुकरण और विरेचन सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन लोंजाइनस– उदात्त सम्बन्धी विचार वड़र्सवर्थ का काव्य भाषा सिद्धान्त
4.	टी0एस0 इलियट– परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा का संबंध, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त आई0ए0 रिचड्र्स – मूल्य संप्रेषण तथा काव्य– भाषा सिद्धान्त रूसी रूपवाद, यथार्थवाद, विम्बवाद, प्रतीकवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद ।

<u>प्रस्तावित पुस्तकें –</u>

1. रस मीमांसा– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी
3. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र
4. रस सिद्धान्त – डॉ0 नगेन्द्र
5. भारतीय काव्यशास्त्र – हरीश चन्द्र वर्मा
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास– सत्यदेव चौधरी एवं शान्ति स्वरूप गुप्ता ।
7. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज– राममूर्ति त्रिपाठी
8. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास– भगीरथ मिश्र
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– देवेन्द्रनाथ मिश्र
10. नई समीक्षा– नये सन्दर्भ – डॉ0 नगेन्द्र
11. काव्य चिन्तन की पश्चिमी परंपरा– निर्मला जैन
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– नई प्रवृत्तियाँ – राजनाथ
13. संरचनावाद, उत्तर– संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र – गोपीचन्द्र नारंग ।
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – तारकनाथ बाली
15. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा – सावित्री सिन्हा
16. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास– सत्यदेव चौधरी एवं शान्ति स्वरूप गुप्ता ।
17. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा– (संपादक) नगेन्द्र
18. उदात्त के विषय में– निर्मला जैन ।

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
एम0ए0 (हिन्दी)
नवम सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः विशिष्ट कवि (क) कबीरदास

पाठ्यक्रम कोड **RA010904T** अधिकतम अंक :100 (75+25)

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	कबीरदास ग्रंथावली– संपादक श्यामसुन्दर दास (1 से 30 साखी) तथा आरम्भिक 50 पद **अध्ययन बिन्दु–** कबीरदास और उनका युग, कबीर की रचनाएँ, कबीरदास का समाज दर्शन, कबीरदास के दार्शनिक विचार, कबीर का रहस्यवाद, कबीर की लोकप्रियता, कबीर की प्रासंगिकता, कबीरदास की काव्यगत विशेषताएँ, उलटबाँसी, कबीरदास के प्रतीक, कबीर के राम, हठयोग, कुंडलिनी जागरण, अनहदनाद, सुरति–निरति ।

नोट– (व्याख्याएँ कबीरदास ग्रंथावली के चयनित पदों से तथा आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दु से संबंधित पूछे जायेंगें) ।

<u>प्रस्तावित पुस्तकें–</u>

1. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर के आलोचक – डॉ0 धर्मवीर
3. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
4. आधुनिक कबीर – राजदेव सिंह
5. उत्तर भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
एम0ए0 (हिन्दी)
नवम सेमेस्टर – पंचम प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः विशिष्ट कवि (ख) सूरदास

पाठ्यक्रम कोड RA010905T **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

पाठ्यक्रम
पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ – 'सूरसागर' : संपादक– धीरेन्द्र वर्मा (व्याख्या– सूरसागर के भ्रमरगीत से) **अध्ययन बिन्दु–** सूरदास और उनका युग, सूर की भक्ति भावना, सूर का दार्शनिक चिन्तन, सूर का प्रकृति वैभव, सूर का वात्सल्य, सूर का श्रृंगार वर्णन, सूर काव्य में वर्णित ब्रजसंस्कृति, भ्रमरगीत परम्परा में सूर का भ्रमरगीत, गोपियों का प्रेम वर्णन, सहृदयता और वाग्विदग्धता, सूरसागर पर भागवत का प्रभाव, सूर के दृष्टिकूटपद, सूरसाहित्यः रीति साहित्य की प्रयोगशाला, सूरसाहित्य में गीतात्मकता, सूरसागर में प्रगतिशीलतत्त्व ।

नोट– (व्याख्याएँ 'सूरसागर' से तथा आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दु पर आधारित होगें)।

<u>प्रस्तावित पुस्तकें–</u>

1. सूरदास– रामचन्द्र शुक्ल
2. सूर निर्णय– प्रभुदयाल मित्तल
3. भक्ति आंदोलन और सूर काव्य – मैनेजर पाण्डेय
4. सूर साहित्य– हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. सूर का भ्रमरगीत– विश्वम्भर नाथ उपाध्याय

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
एम0ए0 (हिन्दी)
दशम सेमेस्टर – प्रथम प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः नाटक एवं गद्य की अन्य विधाएँ

पाठ्यक्रम कोड RA011001T **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	नाटक एवं निबन्ध नाटक (1) चन्द्रगुप्त–जयशंकर प्रसाद (2) आषाढ़ का एक दिन–मोहन राकेश निबन्ध (क) भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है–भारतेन्दु हरिश्चंद्र (ख) कविता क्या है– रामचंद्र शुक्ल (ग) कुटज – हजारीप्रसाद द्विवेदी
2.	आत्मकथा एवं जीवनी एक कहानी यह भी (आत्मकथा)– मन्नू भंडारी आवारा मसीहा (जीवनी)–विष्णु प्रभाकर
3.	संस्मरण एवं रेखाचित्र पथ के साथी (संस्मरण)–महादेवी वर्मा माटी की मूरतें (रेखाचित्र)– रामवृक्ष बेनीपुरी
4.	रिपोर्ताज एवं व्यंग्य–रचना ऋणजल–धनजल (रिपोर्ताज)–फणीश्वर नाथ रेणु इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर (व्यंग्य)– हरिशंकर परसाई यात्रावृत्तांत एवं साक्षात्कार अरे यायावर रहेगा याद (यात्रावृतांत)–अज्ञेय प्रेमचंद के साथ दो दिन (साक्षात्कार)–बनारसीदास चतुर्वेदी

<u>प्रस्तावित पुस्तकें–</u>

1– हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास–दशरथ ओझा
2– आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच– नेमिचंद जैन
3– प्रसाद के नाटकः देश और काल की बहुआयामिता–रमेश गौतम
4– मोहन राकेश और उनके नाटक– गिरीश रस्तोगी
5– साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध– महादेवी वर्मा
6– दूसरी परंपरा की खोज– डॉ. नामवर सिंह
7– आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. बच्चन सिंह
8– हिन्दी का गद्य साहित्य– डा. रामचंद्र तिवारी
9– हिन्दी साहित्य का इतिहास– संपादक डॉ. नगेन्द्र

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
एम0ए0 (हिन्दी)
दशम सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः हिन्दी आलोचना

पाठ्यक्रम कोड RA011002T **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

इकाई	पाठ्यक्रम
इकाई–1	हिन्दी आलोचना का स्वरूप, हिन्दी आलोचना का विकास, शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना, शुक्लोत्तर युगीन हिन्दी आलोचना, स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी आलोचना।
इकाई–2	हिन्दी आलोचना की विविध प्रणालियाँ– काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौन्दर्यवादी, प्रभाववादी, समाजशास्त्रीय, तुलनात्मक
इकाई–3	हिन्दी आलोचक– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डा0 नगेन्द्र
इकाई–4	हिन्दी मार्क्सवादी आलोचक– डा0 रामविलास शर्मा, डा0 शिवदान सिंह चौहान, त्रिलोचन शास्त्री, डा0 नामवर सिंह

प्रस्तावित पुस्तकें–

1– त्रिवेणी –रामचंद्र शुक्ल
2– कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3– हिन्दी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी
4– हिन्दी साहित्य का अतिहास– रामचन्द्र शुक्ल
5– भाषा और समाज – डा0 रामविलास शर्मा
6– रस सिद्धांत– डा. नगेन्द्र
7– दूसरी परंपरा की खोज– नामवर सिंह
8– कविता के नये प्रतिमान– नामवर सिंह
9– साहित्य की परख– शिवदान सिंह चौहान
10– नयी कविता– नंददुलारे वाजपेयी
11– काव्य और अर्थ–बोध–त्रिलोचन शास्त्री
12– आलोचना के विविध आयाम– डा0 राजेश कुमार

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
एम0ए0 (हिन्दी)
दशम सेमेस्टर – तृतीय प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम कोड RA011003T **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

इकाई	पाठ्यक्रम
इकाई–1	भारतीय साहित्यः स्वरूप एवं अवधारणाएँ, भारतीय साहित्य का स्वरूप, हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
इकाई–2	भारतीय साहित्य : प्रतिनिधि उपन्यास एवं नाटक संस्कार (कन्नड़)– यू.आर.अनन्तमूर्ति घासीराम कोतवाल (मराठी)– विजय तेन्दुलकर
इकाई–3	भारतीय साहित्य : प्रतिनिधि कहानियाँ 1– कुर्रतुल ऐन हैदर – अगले जन्म मोहि बिटिया ही कीजो। (उर्दू) 2– एन.टी. वासुदेव नायर– दुश्मन (मलयालम) 3– इन्दिरा गोस्वामी– एक अविस्मरणीय यात्रा (असमिया)
इकाई–4	भारतीय साहित्य – प्रतिनिधि कविताएँ 1– जी शंकर कुरूप – बॉसुरी (मलयालम) 2– सुब्रह्मण्यम भारती – यह है भारत देश हमारा (तमिल) 3– सीताकान्त महापात्रा– चूल्हे की आग (उडिया)

<u>प्रस्तावित पुस्तकें–</u>

1– भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा– विजय शंकर मिश्रा
2– आज का भारतीय साहित्य– साहित्य अकादमी
3– भारतीय साहित्य की भूमिका– डॉ0 रामविलास शर्मा
4– भारतीय साहित्य– डॉ0 नगेन्द्र
5– भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ एवं प्रस्तावनाएँ– डा.के. सच्चिदानन्द

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
एम0ए0 (हिन्दी)
दशम सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः विशिष्ट लेखक–प्रेमचन्द

पाठ्क्रम कार्ड RA011004T **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

पाठ्यक्रम
पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ उपन्यास– कर्मभूमि, निर्मला कहानी संग्रह– प्रेम– मंजूषा (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली) **अध्ययन बिन्दुः** प्रेमचन्द और उनका युग, कथा सम्राट् प्रेमचन्द का अवदान, निर्मला की चारित्रिक विशेषताएँ, कर्मभूमि के पात्र, कर्मभूमि का केन्द्रीय विषय, प्रेमचन्द की कहानियों की विशेषताएँ, प्रेमचन्द के प्रमुख आलोचक, प्रेमचन्द की भाषा, प्रेमचन्द के साहित्य में ग्राम्य और कृषक जीवन, प्रेमचन्द के साहित्य में स्त्री–विमर्श, समाज– मनोविज्ञान, प्रेमचन्द के उपन्यासों का कथातात्त्विक विवेचन, प्रेमचंद के उपन्यासों में प्रगतिशील चेतना ।

नोट– (व्याख्याएँ चयनित उपन्यासों से तथा आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दु से संबंधित होंगें ।)

राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
एम0ए0 (हिन्दी)
दशम सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र
पाठ्यक्रम का नामः विशिष्ट लेखक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पाठ्यक्रम कोड RA011005T **अधिकतम अंक :100 (75+25)**

पाठ्यक्रम
पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रंथ चिन्तामणि (भाग 1 एवं भाग 2) – रामचंद्र शुक्ल हिन्दी साहित्य का इतिहास– रामचंद्र शुक्ल **अध्ययन बिन्दुः** निबंधकार रामचंद्र शुक्ल, आलोचक रामचंद्र शुक्ल, इतिहासकार रामचंद्र शुक्ल, शुक्ल जी की दृष्टि में कविता, हृदय की मुक्तावस्था, सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण, हिन्दी आलोचना के विकास में रामचंद्र शुक्ल का योगदान, शुक्ल जी की आचोचक विषयक मान्यताएँ, शुक्ल की व्यावहारिक आलोचना, परवर्ती हिन्दी आलोचना पर रामचंद्र शुक्ल का प्रभाव ।

नोट– (व्याख्याएँ चिंतामणि से तथा आलोचनात्मक प्रश्न अध्ययन बिन्दुओं पर आधारित होंगें)

<u>प्रस्तावित पुस्तकें–</u>

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – डॉ0 रामविलास शर्मा
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्लः सिद्धान्त और साहित्य – डॉ0 जयचंद राय
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल– शम्भूनाथ पाण्डेय
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और चिंतामणि– कृष्णदेव शर्मा
5. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
6. हिन्दी आलोचना की परंपरा और रामचंद्र शुक्ल– शिवकुमार मिश्र